समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 27 August 2026

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर विराट कोहली के निशाने पर 3 बड़े रिकॉर्ड, तेदुंलकर-संगाकारा को पीछे छोड़ने की तैयारी

Publisher

Published on 17 Oct 2025

क्रिकेट प्रेमियों के लिए अक्टूबर का महीना खास होने वाला है क्योंकि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की **वनडे सीरीज** रविवार से पर्थ के **ऑप्टस स्टेडियम** में शुरू होने जा रही है। इस सीरीज को लेकर फैंस में उत्साह चरम पर है, खासकर इसलिए कि भारतीय टीम में दो बड़े सितारे, **विराट कोहली** और **रोहित शर्मा**, लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। इस सीरीज को कोहली के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि वह अपने करियर में कुछ **महत्वपूर्ण रिकॉर्ड्स** तोड़ने के लिए तैयार हैं।

विराट कोहली इस दौरे में तीन प्रमुख रिकॉर्ड्स को अपने नाम करने की कोशिश करेंगे। पहले, वह वनडे क्रिकेट में **सबसे तेज 13,000 रन** बनाने के रिकॉर्ड की ओर बढ़ रहे हैं। यदि कोहली इस लक्ष्य को हासिल करते हैं, तो वह सचिन तेंदुलकर और कुमार संगाकारा जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ देंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि पर्थ की तेज़ और उछाल वाली पिच उनके बल्लेबाजी कौशल के लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ मौके भी प्रदान करेगी।

दूसरा रिकॉर्ड कोहली के लिए **वनडे क्रिकेट मे संबसे ज्यादा मैचों मे शंतक** बनाने का है। उनका लक्ष्य है कि वह इस सीरीज में लगातार रन बनाकर अपने नाम रिकॉर्ड जोड़ें। पिछले कुछ वर्षों में कोहली की बल्लेबाजी में स्थिरता और अनुभव के मेल ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। इस सीरीज में उनका फोकस सिर्फ व्यक्तिगत रिकॉर्ड नहीं, बल्कि टीम की जीत पर भी रहेगा।

तीसरा रिकॉर्ड जो कोहली के लिए महत्वपूर्ण है, वह है **ऑस्ट्रेलिया मे वंनडे मे संबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड**। पर्थ, मेलबर्न और सिडनी जैसी पिचों पर बल्लेबाजों को गेंदबाजों की तेज़ गति और उछाल का सामना करना पड़ता है। इस तरह के चुनौतीपूर्ण हालात में कोहली की तकनीक और अनुभव उनके लिए बड़ा हथियार साबित होगा।

इस बार की वनडे सीरीज में **रोहित शर्मा** की वापसी भी भारतीय टीम के लिए बड़ी खबर है। रोहित शर्मा, जो वर्षों से टीम के मुख्य

ओपनर और अनुभवी खिलाड़ी के रूप में जाने जाते हैं, टीम की आक्रामक रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनके साथ कोहली की जुगलबंदी टीम इंडिया के मध्यक्रम को मजबूती प्रदान करेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली सीरीजों में भारत को कई कठिन हालातों का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर तेज गेंदबाजों और स्विंग का असर अधिक होता है। इस कारण से भारतीय बल्लेबाजों को अतिरिक्त सावधानी और तकनीकी महारत के साथ खेलना होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोहली की स्थिरता और रोहित की अनुभवी बल्लेबाजी भारत को पिच की चुनौती में संतुलन बनाए रखने में मदद करेगी।

टीम के कप्तान ने भी मीडिया से बातचीत में कहा कि यह सीरीज न केवल खिलाड़ियों के व्यक्तिगत रिकॉर्ड के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि टीम के सामूहिक प्रदर्शन और आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की तैयारी के लिए भी अहम है। कोहली और रोहित दोनों की वापसी से टीम के अंदर आत्मविश्वास बढ़ा है, और युवा खिलाड़ी भी उनके अनुभव से सीखने के लिए उत्साहित हैं।

पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण रही है। यहाँ तेज़ गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है और स्पिनरों को सीमित अवसर मिलते हैं। भारतीय टीम को इस पिच का लाभ उठाने के लिए बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को रणनीतिक ढंग से खेलना होगा। कोहली की तकनीक और अनुभव ऐसे समय में टीम के लिए बड़ा सहारा साबित हो सकते हैं।

सभी क्रिकेट विशेषज्ञ इस सीरीज को "**कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने का अभियान**" कहकर देख रहे हैं। उनके फैंस भी सोशल मीडिया पर इस दौरे और रिकॉर्ड की चर्चा कर रहे हैं। कई लोग कोहली के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं और उन्हें तेंदुलकर और संगाकारा जैसे दिग्गजों के सामने नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

इस सीरीज के परिणाम केवल टीम इंडिया की जीत-हार तक सीमित नहीं होंगे, बल्कि विराट कोहली के अंतरराष्ट्रीय करियर में नए मील के पत्थर जोड़ने का भी अवसर देंगे। तीन मैचों की यह वनडे सीरीज भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक यादगार मोड़ साबित हो सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.